# कर्मयोगी बन कर्म करने की कला सिखाता है अध्यात्म

**ज्ञानसरोवर।** लेफ्टिनेंट जनरल एम.एल.नायडु, पूर्व सेना उपाध्यक्ष, आर्मड फोर्सेस ट्रिब्युनल के सदस्य ने ब्रह्माकुमारीज सुरक्षा सेवा प्रभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि परमात्मा तक पहुँचने की विभिन्न विधियां हो सकती हैं लेकिन मुझे राजयोग मेडिटेशन की विधि भायी है। इससे मुझे अपने सत्य स्वरुप का अनुभव हुआ तथा सुख-शांति की प्राप्ति हुई। वैसे तो मैं सेना से रिटायर हुआ हूँ लेकिन अब संसार में सुख-शांति फिर से फैले इस महान कार्य में एक सिपाही की तरह कार्य कर रहा हूँ। कर्मयोगी बनकर सहजता से कार्य करने की विधि इस आध्यात्मिक ज्ञान द्वारा प्राप्त हुई है।

ब्रह्माकुमारी संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि राजयोग मेडिटेशन से मन पर कंट्रोलिंग व रुलिंग पावर करने की शक्ति प्राप्त होती है। आत्म-स्वरुप का अनुभव ही मन को सुख व शांति से भरपूर कर सकता है। जिसके जीवन में सुख, शांति, आनंद व प्रेम हैं उसकी जीवन ही मूल्यवान

दादी हृदयमोहिनी, लेफ्टिनेंट जनरल एम.एल.नायडु, ब्र.कु.डॉ.निर्मला, ब्र.कु.शुक्ला तथा अन्य दीप प्रज्जवलित करते हुए।

मानी जाएगी। सतयुग में हर मानव दिव्य गुणों से सम्पन्न था, सुख-समृद्धि से सम्पन्न था। परमात्मा स्वयं आकर विश्व की वर्तमान दशा को परिवर्तित कर पुनः सतयुगी दुनिया स्थापित कर रहे हैं। भगवान को साथी बनाकर दृढ़ता से किया हुआ हर कार्य सफलता को अवश्य प्राप्त करेगा। एक बल एक भरोसे के आधार से हर परिस्थिति में विजयी बन सकते हैं।

कमाण्डर प्रदीप मेहरा ने कहा कि अभी तक हम ज्ञान सुनते रहे हैं लेकिन यहां हम ज्ञान समझने व जीवन में धारण करने आए हैं। यह आध्यात्मिक ज्ञान हमें अपने परिवार व कार्यक्षेत्र में बहुत उपयोगी होगा।

मेजर जनरल आर.एन.मसलदान ने कहा कि इस आध्यात्मिक कार्यक्रम का एक सेशन अटेण्ड करने के पश्चात महसूस हो रहा है कि जीवन भर इतनी डिग्रीयां प्राप्त करने के बावजूद जीवन में सुख शांति कैसे प्राप्त करें इस ज्ञान से अभी तक वंचित था। सत्य ज्ञान यहां ही प्राप्त हो रहा है।

ज्ञानसरोवर परिसर की निदेशिका ब्र.कु.डॉ.निर्मला ने कहा कि बाहरी शत्रुओं के प्रति तो हम सतर्क व सजग हैं लेकिन मनुष्य के अंदर जो पांच विकार रूपी शत्रु मौजूद हैं उनसे अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है। सुख-शांति को समाप्त करने वाले विकार तो मनुष्य के अंदर ही मौजूद हैं। राजयोग मेडिटेशन वह विधि है जिससे हम इन शत्रुओं पर सहज ही विजय प्राप्त कर सकते हैं।

सुरक्षा सेवा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु.शुक्ला, राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु.कमला तथा राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु.अशोक गाबा ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सभी को नियमित राजयोग के अभ्यास द्वारा आत्मिक बल प्राप्त करने की प्रेरणा दी।

# एक ईश्वर एक विश्व परिवार की भावना से होगी विश्व में शांति

**जामनगर।** विश्व परिवर्तन की इस वेला में प्लेटिनम जुबली के शुभ अवसर पर खंडपीठ मैदान में आयोजित कार्यक्रम में आए हुए हजारों लोगों को सम्बोधित करते हुए बाल विकास एवं महिला मंत्री वसु त्रिवेदी ने कहा कि एक ईश्वर एक विश्व परिवार की भावना में समाज की शांति का संदेश लेकर पूरे विश्व में फैला हुआ है। हम सब वास्तव में उस एक परमात्मा की ही संतान हैं और आपस में भाई-भाई हैं। यह विश्व हमारा एक परिवार है। इस अवसर पर मेयर अमी पारिख ने कहा कि विश्व में पुनः शांति एवं रामराज्य की स्थापना के लिए हम सब मिलकर सहभागी बनें। माउण्ट आबू के ब्र.कु.मृत्युंजय ने प्लेटिनम जुबली मनाने का उद्देश्य बताते हुए कहा कि परमात्मा का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से ही यह कार्यक्रम मनाया जा रहा है। परमात्मा सहज राजयोग का ज्ञान देकर हम सभी मनुष्यात्माओं को पावन

**जामनगर।** 'प्लेटिनम जुबली' कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए बाल विकास एवं महिला मंत्री वसु त्रिवेदी, मेयर अमी पारिख, पूर्व मंत्री एम.के.ब्लोच, राजकोट के युवराज मांधातासिंह जाडेजा, वल्लभ विद्यानगर की ब्र.कु.जागृति, ब्र.कु.सुषमा, ब्र.कु.जयंति, चंडीगढ़ के ब्र.कु.अरूण तथा अन्य।

बना रहे हैं। इस ज्ञान को हम अपने जीवन में धारण कर अपने जीवन को सुखमय बना सकते हैं। माउण्ट आबू की ब्र.कु.शीलू ने आत्मा का परिचय देते हुए कहा कि हम सभी आत्मायें उस निराकारी दुनिया से इस सृष्टि पर अपना पार्ट बजाने आई थी। अब परमात्मा इस सृष्टि पर अवतरित होकर स्वयं का और हमारा सत्य परिचय दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस सृष्टि का महापरिवर्तन होने के बाद सतयुग फिर से आयेगा और हर मानव सुखी व सम्पन्न बन जायेगा। उन्होंने राजयोग मेडिटेशन के द्वारा सभी को गहन शांति की अनुभूति करायी। वल्लभ विद्यानगर की ब्र.कु.जागृति ने संस्था का परिचय देते हुए बताया कि राजयोग द्वारा ही सच्ची शांति की अनुभूति होती है। जिससे आत्मबल व आत्मसंयम बढ़ता है। सेवाकेंद्र की मुख्य संचालिका ब्र.कु.सुषमा ने सभी आमंत्रित मेहमानों का स्वागत किया और अपनी शुभकामनायें व्यक्त की। मंच का कुशल संचालन चंडीगढ़ के ब्र.कु.अरूण ने किया। इस समारोह को राजकोट के युवराज मांधातासिंह जाडेजा, पूर्व मंत्री एम.के.ब्लोच ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न ग्रुप कलाकार द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति कर सबको एक परिवार की भावना को साकार किया।


## सदस्यता शुल्क

**भारत** – वार्षिक 170 रूपये,
तीन वर्ष 510 रूपये
आजीवन 4000 रूपये
**विदेश** – 2000 *रूपये (वार्षिक)*

स्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' ाम मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट एट माउण्ट आबू ) द्वारा भेजें ।

## पत्र-व्यवहार

**सम्पादक : ब्र.कु.गंगाधर**
**ओम् शान्ति मीडिया**
**ब्रह्माकुमारीज्, शांतिवन, तलहटी**
**आबू रोड (राज.) 307510,**
**Enquiry for Membership and complain (m)-09414006096**
(M)- 9414154344, E-mail : mediabkm@gmail.com,
omshantimedia@bkivv.org, webside:www.omshantimedia.info

प्रति

AJHIN/2000/721 LINCENCE TO POST WITHOUT PRE PAYMENT UNDER TECH/W R /47-9/2009-2011 Postal Regd.No.RJ/SRO/9623/2009-2011, Posted at SHANTIVAN P.O.
संपादक:ब्र.कु.गंगाधर, सलाहाकार संपादक: कमल दीक्षित, सत्वाधिकार-प्रकाशक:ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट साल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित। DT. 22nd,24th&10th,12th